This question paper contains 7 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

530

B.A. (Programme) / II B

(L)

HINDI DISCIPLINE – Paper II

हिन्दी अनुशासन – प्रश्न-पत्र II

(हिन्दी गद्य विधाएँ, उपन्यास और हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास)

(प्रवेश-वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए / NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8 + 8)

(क) "इतना ही नहीं, इस बार उसके कलंक की कालिमा और अधिक गहरी हो गई थी, पर मेरे पास वह कुछ कहने-

सुनने नहीं आई । पता चला, वह न घर का ही कोई काम करती थी और न बाहर ही निकलती । घर की उस अंधेरी कोठरी में, जिसके एक कोने में गधे के लिए घास भरी थी और दूसरे में ईंधन कोयले का ढेर लगा था, वह मुँह लपेटे पड़ी रहती थी । बहुत कहने-सुनने पर दो कौर खा लेती, नहीं तो उसे खाने-पीने की भी चिन्ता नहीं रहती ।"

अथवा

"और उसने एक कब्र की ओर इशारा किया और कहता गया – शिद्धिरगंज के हालचाल सुनना चाहते हो ? एक-दो-तीन, गाँव के एक छोर से दूसरे छोर तक गिनते चले जाओ । कसम है, अगर तुम किसी को हाय-हाय करते पाओ । नहीं, आज कुछ नहीं है । था एक दिन जब गाँव में रात-दिन रोने-कराहने के सिवा और कुछ भी सुनाई नहीं देता था; मगर अब तो यह सब कुछ नहीं ।"

(ख) "विचित्र देश है यह ! असुर आए, आर्य आए, शक आए, हुण आए, नाग आए, यक्ष आए, गन्धर्व आए – न जाने कितनी मानव-जातियाँ यहाँ आईं और आज के भारतवर्ष के बनने में अपना हाथ लगा गईं । जिसे हम हिन्दू रीति-नीति कहते हैं, वह अनेक आर्य और आर्येत्तर उपादानों का अद्‌भुत मिश्रण है ।"

अथवा

"हाँ, बरसात बीत गई । बाढ़ खत्म हो गई । जब नदी अपनी धारा में है; शांत गति से बहती । न बाढ़ है, न हाहाकार । कीचड़ और खर-पात की बात का नाम निशान नहीं । शांत, स्निग्ध, गंगा ।

मेरे सामने महान मातृत्व है – वंदनीय, अर्चनीय !"

2. (क) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (4 × 4)

(i) 'मज़दूरी और प्रेम' के लेखक ने मनुष्य पूजा को ईश्वर पूजा क्यों माना है ?

(ii) करुणा और वियोग में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(iii) 'स्वर्गीय वस्तुएँ पृथ्वी से मिले बिना मनोहर नहीं होती' – 'अशोक के फूल' के संदर्भ में कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(iv) शिद्धिरगंज में अकाल के बाद दवा-वितरण संबंधी सरकारी टिप्पणी और वास्तविक स्थिति में क्या अन्तर था ? अकाल पीड़ित उससे किस प्रकार प्रभावित हुए ?

(v) 'यही भ्रम अच्छी गृहस्थी का आधार है' – नारद के प्रस्तुत कथन का क्या आशय था ?

(vi) 'बिबिया के दुखों के मूल में पुरुष प्रधान सामाजिक व्यवस्था की गली सड़ी रूढ़ियाँ हैं' – कथन की सत्यता की जाँच कीजिए ।

(vii) गजाधर बाबू ने यह क्यों महसूस किया कि वे जिंदगी द्वारा ठगे गए हैं ?

(ख) किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **(1 × 3)**

(i) लेखक ने बुधिया के जीवन के किन-किन पड़ावों को उभारा है ?

(ii) 'उसे कोई पसंद नहीं करता, सब उसकी निंदा करते हैं' – यह कथन किसने किसके संदर्भ में कहा ?

(iii) गाँव में कितने कुएँ थे ? ठाकुर के कुएँ पर गंगी के अतिरिक्त अन्य कितनी स्त्रियाँ पानी भरने पहुँची थीं ?

(iv) पत्नी ने गजाधर बाबू के साथ जाने के लिए क्यों मना किया ?

(v) शकलदीप बाबू अपने बेटे नारायण के लिए सिगरेट क्यों लाए ?

(vi) लेखक ने शिद्धिरगंज की तुलना किससे की ?

(vii) 'मदनोत्सव' किसे कहते थे ?

3. किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8

(i) "यहाँ आकर उसे अनुभव होता था कि मैं भी संसार में हूँ – उस संसार में जहाँ जीवन है, लालसा है, प्रेम है, विनोद है । उसका अपना जीवन तो व्रत की वेदी पर अर्पित हो गया था । वह तन-मन से उस व्रत का पालन करती थी; पर शिवलिंग के ऊपर रखे हुए घट में क्या वह प्रवाह है, तरंग है, नाद है, जो सरिता में है ?" (गबन)

(ii) "चिट्ठियाँ क्या थीं, विपत्ति और वेदना का करुण विलाप था, जो उसने अपनी तीन सहेलियों को सुनाया था । तीनों का विषय एक ही था, केवल भावों का अन्तर था – जिंदगी पहाड़ हो गई है । न रात को नींद आती है, न दिन को आराम, पतिदेव को प्रसन्न करने के लिए कभी-कभी हंस् बोल लेती हूँ पर दिल हमेशा रोया करता है । न किसी के घर जाती हूँ, न किसी को मुँह दिखाती हूँ, ऐसा जान पड़ता है कि यह शोक मेरी जान ही लेकर छोड़ेगा ।" (गबन)

(iii) "सारा घर अंधेरे में डूब गया । बंटी के मन का दुख और गुस्सा धीरे-धीरे डर में बदलने लगा । केवल डर ही नहीं, एक आतंक, कैसी-कैसी शक्लें उभरने लगीं और अंधेरे में । उसने कसकर आँखें मींच लीं । पर अजीब बात है, बन्द आँखों के सामने शक्लें और भी साफ हो गईं – लपलपाती जीभ के राक्षस ..... उल्टे पंजे और

सींगोंवाला सफेद भूत, तीन आँखों वाली चुड़ैल, जादुई नगरी के नाचते हुए हड्डियों के ढाँचे, सब उसके चारों ओर नाच रहे हैं । धीरे-धीरे उसकी ओर बढ़ रहे हैं ।"

(आपका बंटी)

(iv) "पता नहीं कैसे क्या हुआ कि उसके भीतर दो आँखें और उग आईं और उसके बाद से ही सब कुछ गड़बड़ हो गया । बाहर की आँखों से वह एक चीज़ देखता है तो भीतर की आँखें दूसरी चीज़ देखने लगती हैं । कभी भीतर की चीज़ें बाहर की चीज़ों को दबोच लेती हैं तो कभी बाहर की भीतर की चीज़ों को । कभी-कभी दोनों एक-दूसरी में ऐसी गडमड हो जाती हैं कि फिर तो कुछ भी समझ में नहीं आता । बस, सब कुछ गोलमोल अंडा ।"

(आपका बंटी)

4. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : **12**

(i) 'गबन' की मूल समस्या स्पष्ट कीजिए ।

(ii) आपकी दृष्टि में 'गबन' का सर्वाधिक सशक्त पात्र कौन सा है ? क्यों ? उसका चरित्रांकन कीजिए ।

(iii) 'अजय को उसे दिखा ही देना है कि वह अगर एक नई जिन्दगी की शुरुआत कर सकता है तो वह भी कर सकती है ।' शकुन के प्रस्तुत चिन्तन के आलोक में उसके जीवन के नए अध्याय पर विचार कीजिए ।

(iv) बंटी की दृष्टि से 'आपका बंटी' की ममी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

5. भारतेन्दु युगीन निबंधों **अथवा** हिंदी कहानी के विकास का परिचय दीजिए । **10**

6. रिपोर्ताज़ **अथवा** एकांकी की विकास-यात्रा का उल्लेख कीजिए । **10**